

SEMESTER-III

बी.ए. ऑनर्स (हिंदी)

सेमेस्टर – 3

भारतीय साहित्य

Core Course – (DSC) Credits: 4

Course	Nature of Course	Total Credit	Component			Pre-requisite of the course (If any)	Content of Course and reference is in
			Lecture	Tutorial	Practical		
भारतीय साहित्य	कोर कोर्स (DSC7)	4	3	1	—	—	—

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- भारतीय साहित्य की अवधारणा से परिचिति कराना
- भारत की भौगोलिक, भाषिक और सांस्कृतिक विविधता का परिचय देना
- भारतीय सांस्कृतिक-बोध के विकास का परिचय कराना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- भारतीय साहित्य के अध्ययन से सांस्कृतिक समझ विकसित होगी
- भारतीय सांस्कृतिक विविधता में निहित एकता की समझ विकसित होगी
- भारतीय साहित्यिक परंपरा के विकास की समझ विकसित होगी

इकाई – 1

(12 घंटे)

- भारतीय साहित्य का संक्षिप्त परिचय: वैदिक, लौकिक, संस्कृत, पालि, प्राकृत, अपभ्रंश तथा संगम साहित्य (तमिल भाषा)
- आधुनिक भारतीय भाषाओं के साहित्य का संक्षिप्त परिचय: असमिया, बांग्ला, उड़िया, गुजराती, मराठी, उर्दू, पंजाबी, कश्मीरी, सिंधी, मैथिली, तमिल, कन्नड़, तेलुगू, मलयालम

इकाई – 2

(12 घंटे)

- बाल्मीकि – ‘सप्तपर्ण’ : रामकाव्य का जन्म : पृष्ठ 115-119 में महादेवी वर्मा कृत अनुवाद
- कालिदास – ‘उत्तरमेघ’ : भगवतशरण उपाध्याय द्वारा संपादित ‘नागार्जुन चुनी हुई रचनाएँ’ पुस्तक से, पृष्ठ 345-349, छंद संख्या 22 से 27

इकाई – 3

(12 घंटे)

- नामदेव – (संत काव्य, सं. परशुराम चतुर्वेदी, किताब महल, इलाहाबाद, संस्करण 1952) पद सं. 11 से 14 तक
- ललद्यद – (भाषा, साहित्य और संस्कृति, विमलेशकांति वर्मा)
मुझ पर वे चाहे हँसे.....
गुरु ने मुझसे कहा.....
हम ही थे.....
पिया को खोजने.....
- सुब्रह्मण्यम भारती की कविताएँ: साहित्य अकादेमी; संस्करण 1983, 'स्वतंत्रता का गान', पृष्ठ 46-47

इकाई – 4

(09 घंटे)

- काबुलीवाला (कहानी) – रवींद्रनाथ ठाकुर
- रामविजय (नाटक) – शंकरदेव (असमिया)

सहायक ग्रंथों की सूची:

- आज का भारतीय साहित्य – प्रभाकरमाचवे, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
- वैदिक संस्कृति का विकास – तर्कतीर्थ लक्ष्मण शास्त्री, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
- भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास – डॉ. नगेंद्र, हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय
- भारतीय साहित्य कोश – डॉ. नगेंद्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
- भाषा, साहित्य और संस्कृति – (सं.) विमलेशकांति वर्मा, ऑरियन्ट ब्लैक स्वान पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली
- बांग्ला साहित्य का इतिहास – सुकुमार सेन; अनु. निर्मला जैन, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
- सुब्रह्मण्यम भारती की कविताएँ: साहित्य अकादेमी
- संत काव्य (संग्रह) – परशुराम चतुर्वेदी, किताबमहल, इलाहाबाद, (प्र. सं. 1952)

सेमेस्टर – 3
हिंदी नाटक एवं एकांकी
Core Course – (DSC) Credits: 4

Course	Nature of Course	Total Credit	Component			Pre-requisite of the course (If any)	Content of Course and reference is in
			Lecture	Tutorial	Practical		
हिंदी नाटक एवं एकांकी	कोर कोर्स (DSC8)	4	3	1	—	—	—

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- नाटक के उद्भव और विकास का परिचय देना
- नाटक के सांस्कृतिक और सामाजिक पक्ष का परिचय देना
- नाटक की सर्वांगीण समझ विकसित करना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- नाट्य परंपरा का परिचय प्राप्त होगा
- नाटक के सांस्कृतिक पक्ष और शैली के परिचय से विश्लेषण क्षमता विकसित होगी
- हिंदी के प्रमुख नाटकों के अध्ययन से हिंदी नाटक की विकास यात्रा का परिचय प्राप्त होगा

इकाई – 1 **(12 घंटे)**

- भारत-दर्शना – भारतेन्दु हरिश्चंद्र

इकाई – 2 **(12 घंटे)**

- ध्रुवस्वामिनी – जयशंकर प्रसाद

इकाई – 3 **(12 घंटे)**

- कथा एक कंस की – दया प्रकाश सिन्हा

इकाई – 4 **(09 घंटे)**

- एकांकी – उत्सर्ग : रामकुमार वर्मा
तौलिए: उपेन्द्रनाथ अशक

सहायक ग्रंथों की सूची:

- नाटककार भारतेन्दु की रंग-परिकल्पना – सत्येन्द्र तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
- प्रसाद के नाटक: स्वरूप और संरचना – गोविंद चातक, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली
- जयशंकर प्रसाद रंगदृष्टि – महेश आनंद, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, नई दिल्ली
- हिंदी एकांकी की शिल्पविधि का विकास – सिद्धनाथ कुमार, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- रंगमंच का सौन्दर्यशास्त्र – देवेन्द्रराज 'अंकुर', राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- रंगदर्शन – नेमीचंद जैन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- रंगकर्म – वीरेंद्र नारायण, आलेख प्रकाशन, नई दिल्ली
- स्वातंत्र्योत्तर पारम्परिक रंग प्रयोग – कुसुमलता मलिक, इंडियन पब्लिशर्स एवं डिस्ट्रीब्यूटर, कमला नगर, नई दिल्ली (2009)
- हिंदी नाटक का आत्मसंघर्ष – गिरीश रस्तोगी, लोकभारती प्रकाशन
- नाटककार दयाप्रकाश सिन्हा, समीक्षायन, रवीन्द्रनाथ बाहोरे, संजय प्रकाशन, दिल्ली

सेमेस्टर – 3
सामान्य भाषा विज्ञान
Core Course – (DSC) Credits: 4

Course	Nature of Course	Total Credit	Component			Pre-requisite of the course (If any)	Content of Course and reference is in
			Lecture	Tutorial	Practical		
सामान्य भाषा विज्ञान	कोर कोर्स (DSC9)	4	3	1	—	—	—

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- भाषा तथा भाषा विज्ञान की अवधारणा से परिचित कराना
- भाषा की विशेषताओं और उपांगों का विश्लेषणात्मक ज्ञान प्रदान करना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- भाषा विज्ञान के सैद्धांतिक एवं तकनीकी पक्षों की समझ विकसित हो सकेगी
- भाषा और उसके विभिन्न अंगों का परिचय प्राप्त होगा

इकाई – 1 : भाषा एवं भाषा विज्ञान

(12 घंटे)

- भाषा की परिभाषा एवं स्वरूप
- भाषा की संरचना तथा विशेषताएँ
- भाषा विज्ञान का स्वरूप एवं अध्ययन की पद्धतियाँ
- भाषा विज्ञान के अध्ययन की उपयोगिता

इकाई – 2 : ध्वनिविज्ञान एवं रूपविज्ञान

(12 घंटे)

- स्वन, स्वनिम, संस्वन, स्वर एवं व्यंजन
- ध्वनियों का वर्गीकरण
- ध्वनि-परिवर्तन की दिशाएँ
- रूप की परिभाषा, शब्द और रूप (पद), अर्थतत्त्व, संबंध-तत्त्व तथा रूप-परिवर्तन की दिशाएँ

इकाई – 3 : वाक्य विज्ञान

(12 घंटे)

- वाक्य: स्वरूप एवं आवश्यकताएँ
- वाक्य रचना के आधार और भेद
- वाक्य के प्रकार

- वाक्य के निकटस्थ अवयव

इकाई – 4 : अर्थ विज्ञान

(09 घंटे)

- अर्थ: परिभाषा, शब्द और अर्थ का संबंध
- अर्थ-प्रतीति के साधन
- अर्थ-निर्णय के साधन
- अर्थ परिवर्तन: कारण एवं दिशाएँ

सहायक ग्रंथों की सूची:

1. सामान्य भाषा विज्ञान – बाबूराम सक्सेना, हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
2. भाषा विज्ञान की भूमिका – देवेन्द्रनाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
3. भाषा विज्ञान – भोलानाथ तिवारी, किताब महल, नई दिल्ली
4. आधुनिक भाषा विज्ञान – राजमणि शर्मा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
5. हिंदी व्याकरण – कामता प्रसाद गुरु, इण्डियन प्रेस, प्रयाग
6. हिंदी शब्दानुशासन – किशोरी दास वाजपेयी, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
7. भाषा विज्ञान: सैद्धांतिक चिंतन – रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, राधाकृष्ण प्रकाशन

सेमेस्टर – 3
हिंदी की मौखिक और लोक-साहित्य परंपरा
Discipline Specific Elective (DSE) Credits: 4

Course	Nature of Course	Total Credit	Component			Pre-requisite of the course (If any)	Content of Course and reference is in
			Lecture	Tutorial	Practical		
हिंदी की मौखिक और लोक-साहित्य परंपरा	डीएसई (DSE1)	4	3	1	—	—	—

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- लोक साहित्य परंपरा के माध्यम से भारतीय लोक-जीवन से परिचित कराना
- लोक साहित्य परंपरा के माध्यम से भारतीय लोक-संस्कृति के विविध पक्षों को समझाना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- भारतीय जीवन की लोकधारा का परिचय प्राप्त होगा
- पर्यटन, लोक संगीत और नृत्य में रुचि विकसित होगी

इकाई – 1 : मौखिक साहित्य की परंपरा और उसके विविध रूप (12 घंटे)

- मौखिक साहित्य का विकास और लिखित साहित्य से संबंध
- साहित्य के विविध रूप : खेल, तमाशा, लोक-गीत, लोक-कथा, मुकरियाँ, पहेलियाँ, बुझौवल और मुहावरे, लोकगाथाएँ, लोकनाट्य आदि का सामान्य परिचय
- हिंदी प्रदेश की जनपदीय बोलियाँ और उनका साहित्य (संक्षिप्त परिचय)

इकाई – 2 : लोकगीत : वाचिक और मुद्रित (12 घंटे)

- सांस्कृतिक बोध और लोकगीत
- संस्कार गीत:
 - सोहर – अवधी (हिंदी प्रदेश के लोकगीत – कृष्ण देव उपाध्याय, साहित्य भवन, इलाहाबाद, पृष्ठ 110-111)
 - यज्ञोपवीत – भारतीय लोक-साहित्य : परंपरा और परिदृश्य – विद्या सिन्हा, पृष्ठ 88-89
 - विवाह भोजपुरी – भारतीय लोक-साहित्य परंपरा और परिदृश्य – विद्या सिन्हा, पृष्ठ 116
 - ऋतु संबंधी गीत – बारहमासा, होली, चैती, कजरी का सामान्य परिचय

- **श्रम संबंधी गीत:**

- कटनी के गीत – अवधी (दो गीत), हिंदी प्रदेश के लोकगीत – कृष्ण देव उपाध्याय, पृष्ठ 134-135
- जंतसर – भोजपुरी – भारतीय लोक साहित्य; परंपरा और परिदृश्य – विद्या सिन्हा, पृष्ठ 140-141

इकाई – 3 : लोककथा एवं लोकगाथा का सामान्य परिचय एवं पाठ

(12 घंटे)

- प्रसिद्ध लोककथा एवं लोकगाथा – आल्हा, लोरिक, सारंगा सदावृक्ष, बिहुला का संक्षिप्त परिचय
- पाठ – (क) राजस्थानी लोककथा नं. 2, हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास, राहुल सांकृत्यायन, पृष्ठ 10-11, सोलहवां भाग
(ख) मालवी लोक कथा नं. 2, हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास, सोलहवां भाग, राहुल सांकृत्यायन, पृष्ठ 461-462
(ग) अवधी लोक कथा नं. 2, हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास, सोलहवां भाग, राहुल सांकृत्यायन, पृष्ठ 187-188

इकाई – 4 : लोक नाट्य विधा का सामान्य परिचय एवं पाठ

(09 घंटे)

- विविध भाषा क्षेत्रों के नाट्यरूप और शैलियाँ – रामलीला, रासलीला, नौटंकी, ख्याल आदि का संक्षिप्त परिचय
- पाठ : बिदेसिया (भिखारी ठाकुर)

सहायक ग्रंथों की सूची:

- लोक साहित्य में राष्ट्रीय चेतना, ज्ञानगंगा प्रकाशन
- भारत की लोक संस्कृति – हेमंत कुकरेती, प्रभात प्रकाशन
- हिंदी प्रदेश के लोकगीत – कृष्णदेव उपाध्याय, साहित्य भवन, इलाहाबाद
- हरियाणा प्रदेश का लोक साहित्य – शंकरलाल यादव, हिन्दुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद
- मीट माई पीपल – देवेन्द्र सत्यार्थी, नवयुग प्रकाशन
- हमारे लोकधर्मी नाट्य – श्याम परमार, लोकरंग, उदयपुर
- हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास – राहुल सांकृत्यायन, सोलहवां भाग
- भारतीय लोक साहित्य: परंपरा और परिदृश्य – विद्या सिन्हा, प्रकाशन विभाग
- हिंदी साहित्य को हरियाणा प्रदेश की देन – हरियाणा साहित्य अकादमी का प्रकाशन
- मध्यप्रदेश लोककला अकादमी की पत्रिका – चौमासा

सेमेस्टर – 3
राष्ट्रीय सांस्कृतिक काव्य-धारा
Discipline Specific Elective (DSE) Credits: 4

Course	Nature of Course	Total Credit	Component			Pre-requisite of the course (If any)	Content of Course and reference is in
			Lecture	Tutorial	Practical		
राष्ट्रीय सांस्कृतिक काव्य-धारा	डीएसई (DSE2)	4	3	1	—	—	—

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- राष्ट्रीय सांस्कृतिक साहित्य का स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान
- देशवासियों में देश प्रेम की भावना जाग्रत करना
- खड़ी बोली को प्रतिष्ठित करना
- विद्यार्थियों को स्वर्णिम अतीत के गौरव से परिचित कराना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- राष्ट्रीय सांस्कृतिक चेतना के अर्थ को समझ सकेंगे
- भारत के गौरवशाली इतिहास को समझ सकेंगे
- खड़ीबोली की विकास यात्रा से परिचित होंगे
- स्वतंत्रता आंदोलन में साहित्य की भूमिका को पहचान सकेंगे

इकाई – 1

(12 घंटे)

- राष्ट्रीय सांस्कृतिक धारा और साहित्य
- अवधारणा / परिचय / महत्व / प्रवृत्तियाँ / परिस्थितियाँ : स्वतंत्रता आंदोलन

इकाई – 2

(12 घंटे)

- देश दशा – राधाकृष्णदास
- आनन्द अरुणोदय – बद्री नारायण चौधरी 'प्रेमघन'
- यह है भारत देश हमारा – सुब्रह्मण्यम भारती

इकाई – 3

(12 घंटे)

- भारत-भारती (अतीत खंड) – मैथिलीशरण गुप्त
- पुष्प की अभिलाषा – माखनलाल चतुर्वेदी
- वीरों का कैसा हो वसन्त – सुभद्रा कुमारी चौहान
- प्रताप – श्याम नारायण पाण्डेय

- आजादी के फूलों पर जय-जय – सोहनलाल द्विवेदी

इकाई – 4

(09 घंटे)

- विप्लव गान – बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'
- अरुण यह मधुमय देश हमारा – जयशंकर प्रसाद
- जागो फिर एक बार – सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'
- बापू – रामधारी सिंह 'दिनकर'

सहायक ग्रंथों की सूची:

- देश दशा – राधाकृष्ण ग्रंथावली, पहला खंड, संकलनकर्ता और संपादक- श्यामसुंदरदास, इंडियन प्रेस, लिमिटेड, प्रयाग, प्रथम संस्करण 1930
- आनन्द अरुणोदय – बद्री नारायण चौधरी 'प्रेमघन', प्रेमघन सर्वस्व, प्रथम भाग – 1829
- भारत भारती (अतीत खण्ड), प्रकाशक : साहित्य सदन, चिरगाँव, झाँसी, दसवां संस्करण
- वीरो का कैसा हो वसंत – सुभद्रा कुमारी चौहान, स्वतंत्रता पुकारती, (सं.) – नंद किशोर नवल, बालकृष्ण शर्मा नवीन, साहित्य अकादेमी 2006
- विप्लव गान – बालकृष्ण शर्मा 'नवीन', स्वतंत्रता पुकारती, (सं.) नंद किशोर नवल, बालकृष्ण शर्मा नवीन, साहित्य अकादेमी 2006
- जागो फिर एक बार – सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला', अपरा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली 2006
- प्रताप – संकलन हल्दीघाटी, श्री श्यामनारायण पाण्डेय, इंडियन प्रेस, लिमिटेड, प्रयाग 1953
- आजादी के फूलों पर – सोहनलाल द्विवेदी (जय भारत जय संकलन), राजपाल एण्ड संस, कश्मीरी गेट, दिल्ली, पहला संस्करण 1972
- पुष्प की अभिलाषा – माखनलाल चतुर्वेदी, समग्र कविताएँ, (सं.) – श्रीकांत जोशी, किताब घर, दिल्ली, 2006
- रामविलास शर्मा – महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
- रामचंद्र शुक्ल, हिंदी साहित्य का इतिहास, काशी नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
- रामस्वरूप चतुर्वेदी, हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास, लोक भारती इलाहाबाद
- लक्ष्मीसागर वाष्णीय – हिंदी साहित्य का इतिहास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- किशोरीलाल गुप्त – भारतेन्दु और अन्य सहयोगी कवि, हिंदी प्रचारक पुस्तकालय, बनारस
- हिंदी साहित्य का इतिहास – (सं.) डॉ. नगेन्द्र
- हिंदी नवजागरण और संस्कृति – शम्भुनाथ
- भारतेन्दु युग और हिंदी नवजागरण की समस्याएं – रामविलास शर्मा
- बीसवीं शताब्दी हिन्दी साहित्य: नये सन्दर्भ – लक्ष्मी सागर वाष्णीय

सेमेस्टर – 3
रचनात्मक लेखन

Discipline Specific Elective (DSE) Credits: 4

Course	Nature of Course	Total Credit	Component			Pre-requisite of the course (If any)	Content of Course and reference is in
			Lecture	Tutorial	Practical		
रचनात्मक लेखन	डीएसई (DSE3)	4	3	1	—	—	—

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- विद्यार्थियों में रचना-कौशल का विकास करना
- विद्यार्थियों को रोजगार की दृष्टि से सक्षम बनाना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- रचनात्मकता का विकास हो सकेगा
- विद्यार्थी विभिन्न माध्यमों – जैसे पत्रकारिता, मीडिया, विज्ञापन, सिनेमा आदि क्षेत्रों में रोजगार प्राप्त कर सकेंगे

इकाई 1 : रचनात्मक लेखन : अवधारणा, स्वरूप एवं सिद्धांत (12 घंटे)

- भाव एवं विचार की रचना में रूपांतरण की प्रक्रिया
- विविध अभिव्यक्ति क्षेत्र : पत्रकारिता, विज्ञापन, विविध गद्य एवं काव्य-रूप
- लेखन के विविध रूप : गद्य-पद्य, कथात्मक-कथेतर, नाट्य

इकाई 2 : रचनात्मक लेखन और भाषा (09 घंटे)

- भाषा की भंगिमाएं : औपचारिक-अनौपचारिक, मौखिक-लिखित, मानक भाषा
- भाषिक संदर्भ : स्थानीय, वर्ग, व्यवसाय, तकनीक

इकाई 3 : सृजनात्मक लेखन (12 घंटे)

- कविता लेखन
- कहानी लेखन
- नाटक लेखन

इकाई 4: जनसंचार माध्यमों के लिए लेखन (12 घंटे)

- प्रिंट मीडिया के लिए लेखन (फीचर, पुस्तक समीक्षा)

- रेडियो के लिए लेखन (रेडियो नाटक, रेडियो वार्ता)
- टेलिविज़न के लिए लेखन (वृत्तचित्र (डॉक्यूमेंट्री), विज्ञापन)

सहायक ग्रंथों की सूची:

- रचनात्मक लेखन – (सं) रमेश गौतम, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
- सृजनात्मक लेखन – हरीश अरोड़ा, यश प्रकाशन, नई दिल्ली
- कथा-पटकथा – मन्नू भण्डारी, वाणी प्रकाशन
- रेडियो लेखन – मधुकर गंगाधर, बिहार हिंदी ग्रंथ अकादमी
- दृश्य-श्रव्य माध्यम लेखन – राजेन्द्र मिश्र व ईशिता मिश्र, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली
- फिल्मों में कथा-पटकथा लेखन – रतन प्रकाश, प्रभात प्रकाशन
- सृजनशीलता और सौन्दर्य बोध – रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
- कविता रचना-प्रक्रिया – कुमार विमल, बिहार हिंदी ग्रंथ अकादेमी, पटना
- पटकथा लेखन : एक परिचय – मनोहर श्याम जोशी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

सेमेस्टर – 3
पत्रकारिता और अनुवाद
Generic Elective (GE) Credits: 4

Course	Nature of Course	Total Credit	Component			Pre-requisite of the course (If any)	Content of Course and reference is in
			Lecture	Tutorial	Practical		
पत्रकारिता और अनुवाद	जीई (GE)	4	3	1	—	—	—

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- पत्रकारिता और भाषा के मूल तत्व से अवगत कराना
- अनुवाद तकनीक से अवगत कराना
- मीडिया में अनुवाद की आवश्यकता को समझाना
- पत्रकारिता की विभिन्न विधाओं में अनुवाद का अभ्यास कराना तथा अनुवाद के व्यावहारिक व व्यावसायिक पक्ष से परिचित कराना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी भाषा और पत्रकारिता के अंतरसंबंधों से परिचित होंगे
- मीडिया के क्षेत्र में अनुवादक के रूप में रोजगार की संभावनाओं से अवगत हो सकेंगे
- पत्रकारिता में अनुवाद की भूमिका और दायित्वों से परिचित होंगे
- विद्यार्थियों में अनुवाद कौशल विकसित होगा

इकाई 1 : पत्रकारिता की भाषा और अनुवाद

(12 घंटे)

- भाषा : परिभाषा और महत्व
- अनुवाद : परिभाषा, महत्व, प्रक्रिया
- मीडिया अनुवाद का स्वरूप और महत्व

इकाई 2 : प्रिंट माध्यम और अनुवाद

(12 घंटे)

- पत्र-पत्रिकाओं में समाचार, लेख और संपादकीय की भाषा का स्वरूप
- समाचार शीर्षकों व समाचारों का अनुवाद
- फीचर, संपादकीय व लेख का अनुवाद
- प्रिंट मीडिया अनुवाद की शब्दावली

इकाई 3 : इलेक्ट्रॉनिक माध्यम और अनुवाद

(12 घंटे)

- रेडियो और टेलिविज़न की भाषा का स्वरूप
- रेडियो व टेलिविज़न समाचार शीर्षकों और समाचारों का अनुवाद
- फिल्म की पटकथा का अनुवाद
- डाक्यूमेंट्री का अनुवाद

इकाई 4 : अनुवाद और तकनीक

(09 घंटे)

- अनुवाद के उपकरण
- डिजिटल अनुवाद के उपकरण

सहायक ग्रंथों की सूची:

- हिंदी भाषा – भोलानाथ तिवारी, किताब महल प्रकाशन, नई दिल्ली
- अनुवाद विज्ञान : सिद्धांत और अनुप्रयोग – डॉ. नगेन्द्र, हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
- अनुवाद की व्यापक संकल्पना – डॉ. दिलीप सिंह, वाणी प्रकाशन
- पत्रकारिता में अनुवाद – जितेंद्र गुप्त, प्रियदर्शन, अरुण प्रकाश, राधाकृष्ण प्रकाशन
- अनुवाद : अवधारणा और आयाम – डॉ. सुरेश सिंघल, संजय प्रकाशन

सेमेस्टर – 3
मीडिया लेखन

Generic Elective (GE) Credits: 4

Course	Nature of Course	Total Credit	Component			Pre-requisite of the course (If any)	Content of Course and reference is in
			Lecture	Tutorial	Practical		
मीडिया लेखन	जीई (GE)	4	3	1	—	—	—

पाठ्यक्रम का उद्देश (Course Objective):

- विभिन्न जनमाध्यमों के लिए मीडिया लेखन की जानकारी देना
- मीडिया लेखन के विविध प्रारूपों एवं उनमें प्रयुक्त शब्दावली से परिचित कराना
- मीडिया के विविध रूपों में लेखन प्रक्रिया की जानकारी देना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थियों को जनमाध्यमों के विविध स्वरूपों के लेखन की जानकारी प्राप्त होगी
- विद्यार्थी मीडिया शब्दावली से परिचित होकर मीडिया संस्थाओं में कार्य करने में सक्षम होंगे
- व्यावसायिक क्षेत्रों में काम करने के लिए प्रशिक्षित हो सकेंगे

इकाई 1 : मीडिया लेखन : सैद्धांतिक परिचय

(12 घंटे)

- मीडिया लेखन के आधारभूत सिद्धांत
- मीडिया लेखन कौशल
- मीडिया लेखन के विविध क्षेत्र (प्रिंट, रेडियो, टेलिविजन, फिल्म, सोशल मीडिया)

इकाई 2 : प्रिंट माध्यमों के लिए लेखन

(12 घंटे)

- समाचार लेखन
- फीचर लेखन
- संपादकीय लेखन

इकाई 3 : रेडियो के लिए लेखन

(12 घंटे)

- रेडियो-समाचार लेखन
- रेडियो फीचर लेखन
- रेडियो वार्ता लेखन

इकाई 4 : टेलीविज़नके लिए लेखन

(09 घंटे)

- टेलीविज़न कार्यक्रमों के लिए पटकथा लेखन
- टेलीविज़न के लिए समाचार लेखन
- टेलीविज़न के लिए वृत्तचित्र (डाक्यूमेंट्री) लेखन

सहायक ग्रंथों की सूची:

- मीडिया लेखन : सिद्धांत एवं व्यवहार, चंद्र प्रकाश मिश्रा, संजय प्रकाशन, नई दिल्ली
- प्रिन्ट मीडिया लेखन, हरीश अरोड़ा, के के पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली
- इलेक्ट्रॉनिक मीडिया लेखन, हरीश अरोड़ा, के के पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली
- पत्रकारिता : सर्जनात्मक लेखन और रचना प्रक्रिया, अरुण कुमार भगत, नेशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली
- जनसंचार और मीडिया लेखन, रेवती शरण शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
- मीडिया लेखन सृजन, ओम गुप्ता, कल्पाज प्रकाशन
- मीडिया लेखन कला, निशांत सिंह, ओमेगा प्रकाशन, नई दिल्ली